महाकुंभ 2025: निर्बाध और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध यात्रा भक्तों की प्रतीक्षा कर रही है

प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक 45 दिनों के लिए महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। यहां एक साथ भारत आने के कई कारण हैं, जो भारतीय प्रवासियों को इस दौरान भारत आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। पहले एनआरआई दिवस, फिर महाकुंभ और उसके बाद गणतंत्र दिवस, ये एक प्रकार की त्रिवेणी है, भारत के विकास और विरासत से जुड़ने का बहुत बड़ा अवसर है।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारी कर रही है कि प्रयागराज में महाकुंभ 2025 एक भव्य, सुरक्षित और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध कार्यक्रम हो। दुनिया भर से 40 करोड़ से अधिक भक्तों की मेजबानी करने की उम्मीद है, यह 45-दिवसीय उत्सव, 13 जनवरी से 26 फरवरी तक भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक परंपराओं को प्रदर्शित करेगा। प्रयासों का विस्तृत विवरण नीचे दिया गया है:

श्रेणी	विवरण/आंकड़े
अवधि	45 दिन (13 जनवरी - 26 फरवरी, 2025)
अपेक्षित आगंतुक	40 करोड़ से अधिक (400 मिलियन)
सड़क अवसंरचना	92 सड़कों का नवीनीकरण; 17 सड़कों का सौंदर्यीकरण
पोंटून पुल	3,308 पोंटूनों का उपयोग करके 30 पुलों का निर्माण; 28 तैयार हैं
साइनेज स्थापना	800 बहुभाषी साइनेज की योजना बनाई गई; 400 से अधिक इंस्टॉल हो चुके हैं
विविध (चेकर्ड) प्लेटें बिछाई गईं	**मेला क्षेत्र में 2,69,000 प्लेटें बिछाई गईं**

1. बुनियादी ढांचे के विकास की मुख्य बातें

• **अस्थायी शहर सेटअपः** महाकुंभ नगर को हजारों टेंट और आश्रयों के साथ एक अस्थायी शहर में बदला जा रहा है, जिसमें आईआरसीटीसी के "महाकुंभ ग्राम" लक्जरी टेंट सिटी जैसे सुपर डीलक्स आवास शामिल हैं, जो आधुनिक सुविधाओं के साथ डीलक्स टेंट और विला प्रदान करता है

• सड़कें और पुलः

• 92 सड़कों का नवीनीकरण और 17 प्रमुख सड़कों का सौंदर्यीकरण पूरा होने के करीब है। 3,308 पोंटूनों का उपयोग करके 30 पोंटून पुलों का निर्माण कार्य चल रहा है; 28 पहले से ही चालू हैं।

नेविगेशन के लिए संकेतकः आगंतुकों का मार्गदर्शन करने के लिए कुल 800 बहु-भाषा संकेत (हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाएं) लगाए जा रहे हैं। 400 से अधिक काम पूरे हो चुके हैं, बाकी 31 दिसंबर तक तैयार हो जाएंगे।

सार्वजनिक उपयोगिताः 2,69,000 से अधिक चेकर्ड प्लेटों को मार्गों के लिए बिछाया गया है। गतिशील शौचालय और मजबूत अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था स्वच्छता सुनिश्चित करेंगी

2. सुरक्षा व्यवस्थाः

• उन्नत निगरानीः

प्रमुख स्थानों पर 340 से अधिक विशेषज्ञों के साथ एआई की मदद से भीड़ की निगरानी।

• हवाई निगरानी के लिए हजारों सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन।

बढ़ी हुई सुरक्षा के लिए प्रवेश बिंदुओं पर चेहरे की पहचान करने की तकनीक।

अग्नि सुरक्षाः 35 मीटर ऊंची, 30 मीटर चौड़ी आग से निपटने में सक्षम चार आर्टिकुलेटिंग वॉटर टावर्स (एडब्ल्यूटी) की तैनाती।

•अग्नि सुरक्षा उपायों के लिए 131 करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया है। एडब्ल्यूटी आग की घटनाओं को रोकने और सुरक्षा बढ़ाने के लिए वीडियो और थर्मल इमेजिंग सिस्टम सहित उन्नत तकनीकों से लैस हैं।

• **अंडरवॉटर ड्रोन:** पहली बार, 100 मीटर तक गोता लगाने में सक्षम अंडरवॉटर ड्रोन संगम क्षेत्र में चौबीसों घंटे निगरानी प्रदान करेंगे।

• **साइबर सुरक्षा:** 56 साइबर एक्सपर्ट की एक टीम ऑनलाइन खतरों की निगरानी करेगी। सभी पुलिस स्टेशनों में साइबर हेल्प डेस्क की स्थापना की जा रही है।

• सुरक्षा और आपदा तत्परता बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक बहु-आपदा प्रतिक्रिया वाहन तैनात किया गया। यह प्राकृतिक आपदाओं से लेकर सड़क दुर्घटनाओं तक की स्थिति से निपटने में सक्षम। इसमें 10 से 20 टन की क्षमता वाला एक लिफ्टिंग बैग शामिल है, जो मलबे के नीचे दबे व्यक्तियों को बचाने में सक्षम बनाता है। इसमें 1.5 टन तक वजन वाली भारी वस्तुओं को उठाने और स्थानांतरित करने के लिए विशेष मशीनें शामिल हैं।

सुरक्षा उपाय	**विवरण/आंकड़े**
सीसीटीवी कैमरे	वास्तविक समय की निगरानी के लिए एआई क्षमताओं वाले 2700 कैमरे तैनात किए गए
चेहरे की पहचान तकनीक	बेहतर सुरक्षा के लिए प्रवेश बिंदुओं पर उपयोग किया जाता है
निगरानी के लिए ड्रोन	हवाई निगरानी के लिए तैनात किया गया है
पानी के नीचे ड्रोन	चौबीसों घंटे निगरानी के लिए 100 मीटर तक गोता लगाने में सक्षम
अग्नि सुरक्षा बजट	अग्नि सुरक्षा उपायों के लिए 131.48 करोड़ रुपये आवंटित
पुलिस तैनाती	अर्धसैनिक बलों सहित 50,000 से अधिक कर्मी

3. स्वास्थ्य सेवाएं

चिकित्सा अवसंरचना:

·शल्य चिकित्सा और नैदानिक सुविधाओं से लैस अस्थायी अस्पताल।

· "भीष्म क्यूब" की तैनाती, जो एक साथ 200 लोगों का इलाज करने में सक्षम है।

· **नेत्र देखभाल पहलः** एक "नेत्र कुंभ" शिविर का उद्देश्य गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करने की दिशा में 5 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों की आंखों की जांच करना और 3 लाख से अधिक चश्मे वितरित करना है।

· एक नेत्र दान शिविर स्थापित किया गया है, जहां 2019 में 11,000 से अधिक लोगों ने अपनी आंखें दान कीं। इस वर्ष का उद्देश्य भारत में 1.5 करोड़ दृष्टिबाधित व्यक्तियों के बीच अंधेपन को कम करने में मदद करने के लिए दानदाताओं को प्रोत्साहित करना है।
· कमजोर समूहों के लिए विशेष देखभालः बुजुर्ग तीर्थयात्रियों और बच्चों के लिए समर्पित स्वास्थ्य शिविर गतिशीलता सहायता, हाईड्रेशन (जलयोजन) सहायता और आपातकालीन देखभाल पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

4. पर्यावरणीय स्थिरता

· **नदी संरक्षणः** गंगा और यमुना नदियों में स्वच्छ पानी सुनिश्चित करने के लिए 3 अस्थायी सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) स्थापित किए जा रहे हैं।
· **पर्यावरण-अनुकूल उपायः** प्रकाश व्यवस्था के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग, पुनः प्रयोज्य सामग्रियों को बढ़ावा देना और एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध।

5. डिजिटल नवाचार

· **मोबाइल ऐप और ऑनलाइन सेवाएं :** भीड़ की सूचना देने के लिए एक समर्पित ऐप, आपातकालीन अलर्ट, दिशा-निर्देश और आवास विवरण पर वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करता है। ऑनलाइन पंजीकरण और टिकटिंग आगंतुक प्रबंधन को सुव्यवस्थित करते हैं।
· **वाई-फाई जोनः** अस्थायी वाई-फाई जोन आगंतुकों के लिए कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेंगे।
· महाकुंभ नगर के भीतर नेविगेशन के लिए गूगल मैप्स के साथ एकीकरण

6. पर्यटन एवं सांस्कृतिक संवर्धन

· **उत्तर प्रदेश मंडपः**
· नागवासुकी मंदिर के पास 5 एकड़ में फैला यह मंडप यूपी के पर्यटन सर्किट (जैसे रामायण सर्किट, कृष्ण-राज सर्किट, बौद्ध सर्किट, बुंदेलखंड सर्किट) को प्रदर्शित करता है और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ एक हस्तशिल्प बाजार की सुविधा देता है।
· **सांस्कृतिक कार्यक्रमः** भारत की आध्यात्मिक विरासत पर शास्त्रीय संगीत, नृत्य और प्रदर्शनियों का प्रदर्शन राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करेगा।
· **नदी संरक्षणः** गंगा और यमुना नदियों में स्वच्छ पानी सुनिश्चित करने के लिए 3 अस्थायी सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) स्थापित किए जा रहे हैं।

· **पर्यावरण-अनुकूल उपाय:** प्रकाश व्यवस्था के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग, पुन: प्रयोज्य सामग्रियों को बढ़ावा देना और एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध।
• नए कॉरिडोर और मंदिर का नवीनीकरण:

• अक्षयवट कॉरिडोर, सरस्वती कूप कॉरिडोर और पातालपुरी कॉरिडोर जैसे नए कॉरिडोर का विकास।
· नागवासुकी मंदिर और हनुमान मंदिर कॉरिडोर का नवीनीकरण।

7. आर्थिक प्रभाव

• महाकुंभ डायरी, कैलेंडर, जूट बैग और स्टेशनरी जैसे महाकुंभ-थीम वाले उत्पादों की मांग में वृद्धि के साथ स्थानीय व्यापार को बढ़ावा दे रहा है। कुशल ब्रांडिंग के कारण बिक्री में **25%** तक की वृद्धि हुई है।

8. **वैश्विक पहुंच**

भारत की विविधता को प्रदर्शित करने वाले बहुभाषी संकेतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ अंतर्राष्ट्रीय आगंतुकों के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। इन व्यापक प्रयासों के माध्यम से, महाकुंभ **2025** का उद्देश्य न केवल एक धार्मिक सभा है, बल्कि आध्यात्मिकता, संस्कृति, सुरक्षा, स्थिरता और आधुनिकता का एक वैश्विक उत्सव है।

संदर्भ

- सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीपीआईआर), उत्तर प्रदेश सरकार
- **https://kumbh.gov.in/**

***

एमजी/केसी/आरकेजे